Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding Bhoodan Movement land.

श्री रामदास सी. तडस (वर्धा): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय गृह मंत्री जी का ध्यान सामाजिक कार्यकर्ता आचार्य विनोबा भावे जी की अखंड पद यात्रा की ओर आकृष्ट करते हुए कहना चाहता हूं कि मेरे संसदीय क्षेत्र में वर्धा सेवाग्राम से 7 मार्च, 1951 में विनोबा जी ने पदयात्रा शुरू की थी, जो आंध्र प्रदेश के शिवरामपल्ली तक, जो आज के अनुसार तेलंगाना राज्य के नालगोंडा जिले के पोचमपल्ली गांव तक भूदान के लिए यात्रा की थी। जो एक क्रांतिकारी एवं साहसिक कदम था। आचार्य विनोबा जी ने इसी गांव में सब भूमि गोपाला की घोषणा करते हुए जमींदारों से जमीन दान की मांग की थी। आचार्य जी ने 40 हजार मील की पदयात्रा की, जिसके फलस्वरूप उन्होंने 22.90 लाख जमीन दान में संग्रह की। इस जमीन में से 16.66 लाख एकड़ जमीन जरूरतमंद और भूमिहीनों में बांटी गई, लेकिन बाकी जमीन भूमि माफिया, कालेज आदि के लोगों ने अपने कब्जे में कर ली है।

मेरी आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग है कि इस सारी जमीन की सी.बी.आई से चौकशी लगाई जाए, ताकि गरीब लोगों को यह भूमि मिल सके। धन्यवाद।

HON. SPEAKER: Shri Bhairon Prasad Mishra and Shri Sharad Tripathi are permitted to associate with the issue raised by Shri Ramdas C. Tadas.